Dr. A.P.J. Abdul Kalam University, Indore (M.P)

Scheme of Examination
B.A.
Semester-III
(W.e.f. July 2016 Onwards)

(Non Grading)

Course Name	Subject	Theory Max. Marks				Practical Max Marks		Total
		Internal		External		Max Marks	Min Marks	
		Max	Min	Max	Min			
Foundation Courses	HINDI + ENGLISH **FCA 301 HE**	10+05=15	05	50+35=85	28	-	-	100
	E-SHIP **FCA 302 EP**	15	05	35	12	-	-	50
B.A. Sociology	ECONOMICS **BAE301 T**	15	05	85	28	-	-	100
	HISTORY **BAH304 T**	15	05	85	28	-	-	100
	SOCIOLOGY **BAS303 T**	15	05	85	28	-	-	100
Total								**450**

Dr. A.P.J. Abdul Kalam University, Indore (M.P)

BA under Graduate Semester wise Syllabus

(W.e.f. session 2017)

Class: - BA

Semester: - III Semester

Subject: **-ECONOMICS (BAE301T)**

Paper: - Macro Economics and Money and Banking

Marks 85+15 CCE

Particulars

Unit I

Macro Variables, Stock and Flow, Circular Flow of Income in closed and Open Economy, Concept of National Income- GDP, GNP, Measurement of National Income and Social Accounting in India, National Income and Economic Welfare.

समष्टिचर, स्टॉक एवं प्रवाह, बंद एवं खुली अर्थव्यवस्था में आय का चक्रीय प्रवाह। राष्ट्रीय आय की अवधारणा–सकल घरेलू उत्पाद, सकल राष्ट्रीय उत्पाद, राष्ट्रीय आय की गणना एवं भारत में सामाजिक लेखांकन, राष्ट्रीय आय एवं आर्थिक कल्याण।

Unit II

Classical Theory of Employment, Say's Law of Market, Income determination- Aggregate Demand and Supply Functions, Keynesian Theory of Employment- Effective demand, Consumption Function, Factors Affecting Consumption, Average and Marginal Propensities to consume, Simple Investment and Govt. Expenditure, Multiplier and Leakages of Multiplier.

रोजगार का प्रतिष्ठित सिद्धांत, से का बाजार नियम, आय निर्धारण– समग्र मांग एवं पूर्तिफलन, कीन्स का रोजगार सिद्धांत– प्रभावपूर्ण मांग। उपभोग फलन, उपभोग को प्रभावित करने वाले कारक, सीमांत और औसत उपभोग प्रवृत्ति, सामान्य विनियोग एवं सरकारी व्यय, गुणक एवं उसके रिसाव।

Unit III

Investment Function and Marginal Efficiency of Capital (MEC), Factors Affecting Capital Formation Concept of Accelerator, Keynesian Theory of Liquidity Preference, Liquidity Trap.

विनियोग फलन एवं पूंजी की सीमांत कार्यक्षमता ;डम्ब्द्ध, पूंजी निमार्ण को प्रभावित करने वाले कारक। त्वरक की अवधारणा। कीन्स का तरलता पसन्दगी सिद्धांत, तरलता जाल।

Unit IV

Money- Meaning and Functions, Stock of Money and its Measures- M1, M2, M3, M4. Quantity Theory of Money- Cash Transaction and Cash Balance Approaches. Inflation, Deflation and Recession- Definition, Causes and Effects on different Segments of the Economy. Types of inflation- Demand Pull and Cost Push Inflation.

मुद्रा – अर्थ और कार्य। स्टॉक आफ मनी और उसके माप – एम$_1$, एम$_2$, एम$_3$, एम$_4$,। मुद्रा का परिमाण सिद्धांत– नकद लेन –देन समीकरण और नकद कोष समीकरण। मुद्रा स्फीति, मुद्रा सकुंचन और मुद्रा संस्फीति – अर्थ, परिभाषा, कारण और अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों पर प्रभाव।
स्फीति के प्रकार – मांग प्रेरित स्फीति एवं लागत प्रेरित स्फीति।

Unit V

Bank: Meaning and Types. Central Bank and its Functions with Reference to R.B.I. Credit Control- Qualitative and Quantitative Methods. Objectives and Limitations of Monetary Policy. Functions of Commercial Bank. Meaning and Methods of Credit Creation, Recent Reforms in Banking Sectors. Money Market and its Instrument, Defects of Money Market in India. Role of Private Banking in India. Stock Market.

बैंक– अर्थ, प्रकार, केंद्रीय बैंक और उसके कार्य, भारतीय रिजर्व बैंक के संदर्भ में। साख नियंत्रण–परिमाणात्मक एवं चयनात्मक विधियां, मौद्रिक नीति के उद्देश्य एवं सीमाएं। व्यापारिक बैंक के कार्य, साख निर्माण का अर्थ एवं विधियां, बैकिंग क्षेत्र में नवीन सुधार। मुद्रा बाजार एवं इसके उपकरण, भारतीय मुद्रा बाजार की कमियां, भारत में निजी बैंकिग की भूमिका। स्टॉक मार्केट।

Recommended Books:

- Heijdra, B.J. and F.V. Ploeg (2001) Foundations of Modern Macroeconomics, Oxford, University Press, Oxforf
- Lewis, M.K. and P.D. Mizan (2001) Foundations of Modern Macroeconomics, Oxford, University Press, Oxford.
- Lewis, M.K. and P.D. Mizan (2000), Monetary Economics, Oxford University Press, New Delhi.
- Hanson, A.H. (1953) A Guide to Keynes. McGraw Hill, New York,
- Keynes, J.M. (1936), The General Theory of Employment, Interest and Money, Macmillan, London.
- Gupta, S.B. (1994), Monetary Economics, S. Chand & Company, New Delhi.
- झिंगनः समष्टि अर्थशास्त्रः कोणार्क पब्लिकेषन
- मैक्रो अर्थशास्त्र– टी.टी. सेठी
- हिन्दी ग्रंथ अकादमी की पुस्तकें

Dr. A.P.J. Abdul Kalam University, Indore (M.P)

BA under Graduate Semester wise Syllabus
(W.e.f. session 2017)
Class: - BA
Semester: - III Semester
Subject: -History (**BAH304T**)
Paper: - Sultanate Period 1200 to 1739 A.D.

Marks 85+15 CCE

Unit I

Sources of Medieval Indian History Foundation and Consolidation of the Delhi Sultanate – Qutubuddin Aibak, Iltutmish. Razia Sultana and Balban. Alauddin Khalji - His conquests and reforms. The Mongol invasions.

मध्यकालीन भारतीय इतिहास के स्रोत। दिल्ली सल्तनत की स्थापना एवं सुदृढ़ी करण– कुतुबुद्दीन ऐबक, इल्तुतमिश रजिया सुल्तान, बलवन। अलाउद्दीन खिलजी की विजय और सुधार। मगांले आक्रमण।

Unit II

Mohammad bin Tughluq and Firuz Shah Tughluq. Disintegration of the Delhi Sultanate, Vijayanager and Bahmani Kingdoms. Timur's invasion and its impact. Invasion of the Mughals, Babur and Humayun, Sher Shah Suri.

मोहम्मद बिन तुगलक और फिरोजशाह तुगलक। दिल्ली सल्तलत का विकेन्द्रीकरण, विजयनगर एवं बहमनी साम्राज्य। तैमूर आक्रमण और उसका प्रभाव। मुगल आक्रमण– बाबर और हुमायूँ, शेरशाह सूरी।

Unit III

Akbar- Consolidation and terriotorial expansion of the Mughal empire, his Religious and Rjput Policy. Jahangir, Shahjahan, Mughal Sikh relations. Rise of Marathas, Shivaji- His conquests and administration. Aurangzeb and the decline of the Mughal empire, Nadir Shah's invasion and its impact.

अकबर–मुगल साम्राज्य का सुदृढ़ी करण एवं विस्तार– उसकी धार्मिक एवं राजपूत नीति। जहाँगीर और शाहजहाँ, मुगल–सिक्ख सबंध। मराठों का उत्कर्ष, शिवाजी की विजय एवं उनका प्रशासन। औरंगजबे़ और मुगल साम्राज्य का पतन, नादिरशाह का आक्रमण एवं उसका प्रभाव।

Unit IV

Socio-religious life during the Sultanate period-Bhakti and Sufi movements, Economic life during Sultanate period, Agriculture Industry and Trade, Administrative system.

सल्तनतकालीन सामाजिक व धार्मिक जीवन – भक्ति एवं सूफी आन्दोलन। सल्तनत काल मे आर्थिक जीवन–कृषि, उद्योग और व्यापार। प्रशासनिक तंत्र।

Unit V

Mughl administration and institutions. Mansabdari System. Social and religious life, Status of women. Economic life, Agriculture, Trade and Commerce Architecture.

मुगल प्रशासन एवं सस्थायें मनसबदारी व्यवस्था। सामाजिक एवं धार्मिक जीवन, स्त्रियों की स्थिति। आर्थिक जीवन, कृषि, व्यापार, वाणिज्य। स्थापत्य कला।

Books Suggestions:-

- डॉ. आशीर्वादी लाल श्रीवास्तव – सल्तनतकालीन भारत
- डॉ. आशीर्वादी लाल श्रीवास्तव – मध्यकालीन भारत का इतिहास
- इब्ने हसन मुगल – मुगल साम्राज्य का ढांचा,
- डॉ. किशोरीषरण लाल – खिलजीवंश
- डॉ. ऐ.वी. पाण्डेय – मध्यकालीन भारत का इतिहास
- डॉ. एल.पी. शर्मा – मुगलकालीन भारत
- डॉ. राधेशरण – मध्यकालीन भारतीय समाज एवं संस्कृति
- डॉ. रतिभानु सिहं नाहर – मध्यकालीन भारत का इतिहास
- आर.पी त्रिपाठी – मुगल साम्राज्य का उत्थान एवं पतन
- इरफान हबीब – मध्यकालीन भारत का आर्थिक इतिहास
- डॉ. सतीष चन्द्र – मध्यकालीन भारत में इतिहास लेखन, धर्म और राज्य का स्वरूप
- डॉ. राधेशरण – मध्यकालीन भारत का इतिहास
- हरीष चन्द्र वर्मा – मध्यकालीन भारत भाग 1 एवं 2

Dr. A.P.J. Abdul Kalam University, Indore (M.P)

BA under Graduate Semester wise Syllabus

(W.e.f. session 2017)

Class: - BA

Semester: - III Semester

Subject: -SOCIOLOGY (BAS303T)

Paper: - Rural and Urban Sociology

Marks 85+15 CCE

UNIT - I

1. Rural Sociology - Meaning and Definition, Subject Matter, Scope.
ग्रामीण समाजशास्त्र – अर्थ एवं परिभाषा, विषय वस्तु, क्षेत्र
2. Urban Sociology - Meaning and Definition, Subject Matter, Scope.
नगरीय समाजशास्त्र – अर्थ एवं परिभाषा, विषयवस्तु, क्षेत्र
3. Importance of Rural Sociology and Urban Sociology.
ग्रामीण समाजशास्त्र एवं नगरीय समाजशास्त्र का महत्व

UNIT - II

1. Migration - Meaning, Definition and Characteristics, Migration from Rural Society causes and consequences.
प्रव्रजन – अर्थ, परिभाषा एवं विशेषताएँ, ग्रामीण समाज से प्रवजन, कारण एवं प्रभाव
2. Jajmani System in Rural India - Meaning Characteristics and Change.
ग्रामीण भारत में जजमानी व्यवस्था – अर्थ, विशेषताएँ एवं परिवर्तन
3. Agrarian Relation in India.
भारत में कृषि संबंध

UNIT - III

1. Rural Leadership - Meaning, Characteristics and Emerging Pattern.
ग्रामीण नेतृत्व –अर्थ, विशेषताएँ एवं उभरते प्रतिमान
2. Dominant Caste and Factionalism in Rural India.
ग्रामीण भारत में प्रभुत्वशाली जाति एव गटवाद
3. Panchayati Raj Institution - Aims, Functions and Organization, Achievements and Challenges of Panchayati Raj System.
पंचायती राज व्यवस्था – लक्ष्य, कार्य एवं संगठन, पंचायती राज व्यवस्था की उपलब्धियॉ एवं चुनौतियाँ

UNIT - IV

1. Urban Migration - Nature, Characteristics Meaning, Scope, Importance.
नगरीय प्रव्रजन – प्रकृति, विशेषताएँ, अर्थ, क्षेत्र, महत्व
2. Problems Related with Urban Development Housing, Slums, Environmental Pollution
नगरीय विकास से संबंधित समस्यायें – आवास, मलिन बस्ती, पर्यावरण प्रदूषण,
3. Urban Local Self Government.
नगरीय स्थानीय स्वशासन

UNIT - V

1. Urban Development - Market, Technology and Changes.
नगरीय विकास – बाजार, प्रौद्योगिकी एवं परिवर्तन
2. Changes in Indian Urban society
भारतीय नगरीय समाज में परिवर्तन
3-Changing Dimensions of Urban Life - Indvidualism, Lonely Life, New Patterns of Relationships
नगरीय जीवन शैली के बदलते आयाम– व्यक्तिवादिता, एकांकी जीवन, सम्बन्धों के नवीन प्रतिमान

Recommended Books:

1. देसाई ए.आर. भारत में ग्रामीण समाजशास्त्र पापुलर प्रकाशन, बाम्बे
2- A.R. Desai Rural Sociology in India Popular Publication, Bombay.
3. सिंह बी.एन. भारत में ग्रामीण समाजशास्त्र, विवेक प्रकाशन, नई दिल्ली
4. सिंह बी.एन. भारत में नगरीय समाजशास्त्र विवेक प्रकाशन , नई दिल्ली
5- Singh Yogendra, Modernization of Indian Tradition- Rawat Publication, Jaipur.
6- Dube S.C. Indian Village Allied Publication, Bombay.
7- Dube S.C. India's changing Villages, Allied Publication, Bombay.
8. महाजन डॉ. धर्मवीर, ग्रामीण एवं सामाजिक समाजशास्त्र विवेक प्रकाशन, नई दिल्ली
9. डी. पाटिल, डॉ. अशोक ग्रामीण एवं नगरीय समाजशास्त्र हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल